ॐ

वर्ष-9, अंक-16, 16-31 अगस्त, 2024 (पाक्षिक)

चाणक्य वार्ता

ISSN 2456-1207

मूल्य : 15 रुपये

कुल पृष्ठ 48

स्वतंत्रता दिवस परिशिष्ट

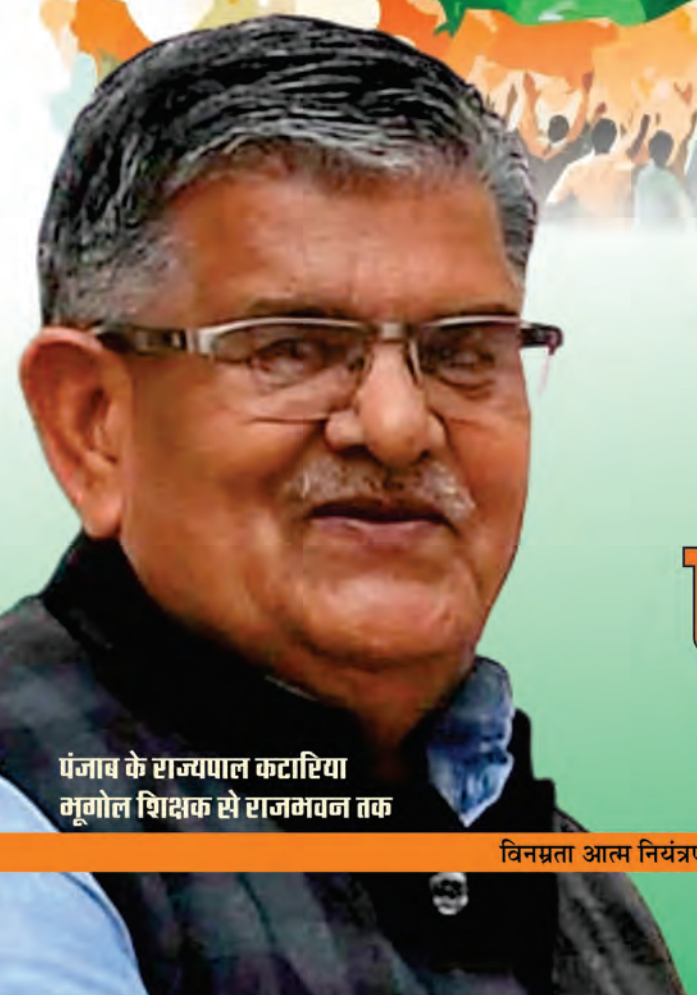

पंजाब के राज्यपाल कटारिया
भूगोल शिक्षक से राजभवन तक

विनम्रता आत्म नियंत्रण के मूल में है—आचार्य चाणक्य

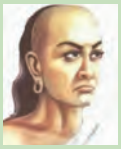

चाणक्य वार्ता

सम्पूर्ण अंतरराष्ट्रीय पत्रिका

वर्ष : 9, अंक : 16, 16-31 अगस्त, 2024

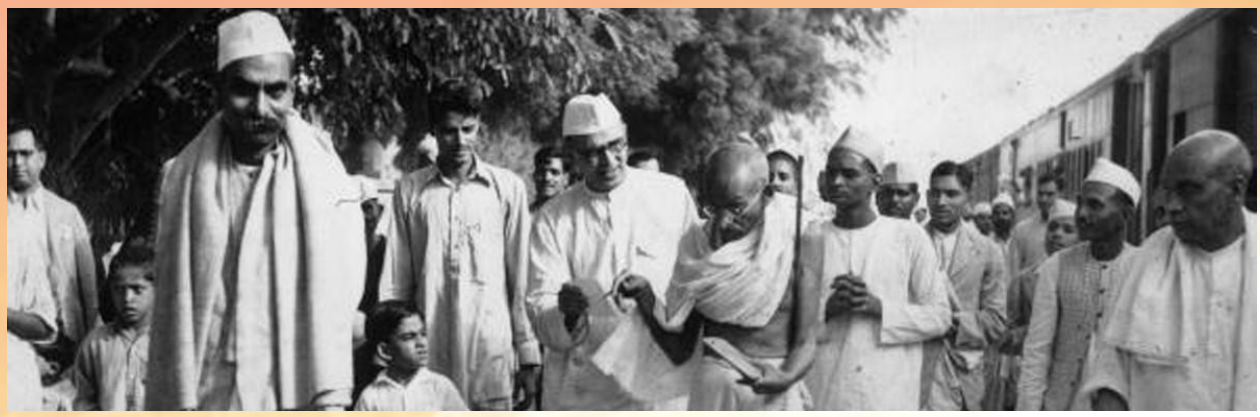

अनुक्रम

05 सम्पादक के नाम पत्र
06 सम्पादक की कलम से

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय

09 पंजाब के राज्यपाल कटारिया– भूगोल शिक्षक से राजभवन तक : आर.पी. तोमर
11 भीगती आजादी : डॉ. विनोद बब्बर
13 राष्ट्र-ध्वज के विकास की कहानी : डॉ. पूर्ण सिंह डबास
15 उन्हें याद करें, जो घर नहीं लौटे : मुनि अक्षय सागर महाराज
16 क्यों भड़का शेख हसीना के खिलाफ आक्रोश? : योगेश कुमार गोयल

राज्यों से

19 हरियाणा– म्हारा हरियाणा न. 1, एमएसपी लागू : विशाल शर्मा
21 असम– भारत में तेजी से विकास करने वाले शीर्ष 5 राज्यों में शामिल है असम : राजीब अगस्ती
27 केरल– वायनाड तबाह, असम सहित 20 राज्यों में हाहाकार : अभिनव तोमर

नई दिल्ली कार्यालय
मुख्यालय :
'सन्निधि', ए-28, मनसाराम पार्क, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059
कॉरपोरेट कार्यालय :
321, तृतीय तल, वर्धमान मॉल, प्लॉट-2, सेक्टर-19, द्वारका, नई दिल्ली-110077
सम्पर्क : 09871909808, 08571841127
ई-मेल : chanakyavarta@gmail.com

उत्तर क्षेत्र कार्यालय
एस.सी.ओ. 24, द्वितीय तल, सेक्टर-11, पंचकूला, हरियाणा-134112
सम्पर्क : 0172-4672424, 09466988764

पूर्वोत्तर क्षेत्र कार्यालय
116, कॉमर्स हाउस, एम.जी. रोड, फैंसी बाजार निकट ऐक्सिस बैंक, गुवाहाटी, असम-781001
सम्पर्क : 09101834214, 9864337619

दक्षिण क्षेत्र कार्यालय
13, नल्लन्ना मुदली स्ट्रीट, साहुकारपेट, चेन्नई-600 079
सम्पर्क : 9342302248, 9941245660

संरक्षक
डॉ. योगेन्द्र नारायण (पूर्व महासचिव, राज्यसभा)
कुलाधिपति, गढ़वाल विश्वविद्यालय
लक्ष्मीनारायण भाला (वरिष्ठ साहित्यकार)

परामर्श मंडल
पद्मश्री डॉ. श्यामसिंह शशि
(कुलाधिपति, रोमा विश्वविद्यालय)
वेणुगोपालन (वरिष्ठ पत्रकार)

सम्पादक मंडल
सम्पादक : **डॉ. अमित जैन**
कार्यकारी सम्पादक : **आर.पी. तोमर**
राजनीतिक सम्पादक : **ओम प्रकाश पाल**
उप सम्पादक : **सारांश कनौजिया**

संस्थापक राष्ट्रीय समन्वयक
स्व. घनराज भाम्बी
(वरिष्ठ पत्रकार–रक्षा सेनाएँ एवं अर्द्ध सैनिक बल)

राष्ट्रीय प्रचार-प्रसार प्रभारी
दिलीप बैनर्जी, कोलकत्ता

आर्थिक सलाहकार मंडल
सी.ए. मन्त्रेश्वर कर्ण
सी.ए. स्वीटी जैन

अन्तरराष्ट्रीय सलाहकार मंडल
धर्मपाल महेन्द्र जैन, टोरंटो, कनाडा
कैलाश कंदोई, सिलीगुड़ी

विधि सलाहकार मंडल
अंकुर जैन (अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट)
योगेश कुमार (चेयरमैन, नेचर व्यू)
अजय नागर (स्वतंत्र पत्रकार)

राज्य प्रभारी
उत्तर क्षेत्र प्रभारी—**विशाल शर्मा**, चंडीगढ़
पूर्वोत्तर क्षेत्र प्रभारी—**राजीब अगस्ती**, गुवाहाटी
दक्षिण क्षेत्र प्रभारी—**नवरतन पींचा जैन**, चेन्नई
पश्चिमी क्षेत्र प्रभारी—**आशा सिंह देवासी**, मुबई
पूर्वी क्षेत्र प्रभारी—**प्रकाश बेताला**, भुवनेश्वर
कर्नाटक प्रभारी—**हर्ष गोयल**, बेंगलुरु
तमिलनाडु प्रभारी—**जे.पी. ललवानी**, चेन्नई
मध्य प्रदेश प्रभारी—**लखनलाल चौरसिया**, भोपाल

कविता

22 राखी : मुकेश कुमार ऋषि वर्मा

चिंतन

30 जम्मू व कश्मीर-चार : कृष्णानंद सागर

कांग्रेस और संघ : एक सिंहावलोकन-84

31 आचार्य चाणक्य ने बताया शत्रु पर कैसे पाएं विजय -रमेश जैन

श्रद्धांजलि

32 श्रीमती राम मूर्ति बंसल का निधन

समीक्षा

33 विदेश में हिंदी पत्रकारिता का रोचक और अनूठा दस्तावेज : धर्मपाल महेंद्र जैन

समाचार जगत

35 चाणक्य वार्ता पाक्षिकनामा

36 खबरों में देश-विदेश : सोनम जैन

37 उत्तर भारत की खबरें : विशाल शर्मा/शैलेन्द्र जैन

38 पूर्वोत्तर भारत की खबरें : राजीब अगस्ती/ हुरुई जेलियांग

39 दक्षिण भारत की खबरें : वेद प्रकाश पांडेय/ ईश्वर करुण

43 पश्चिम भारत की खबरें : आशा सिंह देवासी/धीरेन बरोट

जॉब अलर्ट

44 सरकारी नौकरियों में अवसर : सी.ए. स्वीटी जैन

सबरंग

45 लोकार्पण, सिनेमा, टेलीविजन, आयोजन, सम्मान

देश भर में 'चाणक्य वार्ता' के प्रतिनिधि

राज्य ब्यूरो चीफ

धीरेन्द्र मिश्र, नई दिल्ली
डॉ. अमर सिंहल, जयपुर, राजस्थान
शैलेन्द्र जैन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
अजय भट्ट, देहरादून, उत्तराखंड
डॉ. गुलाब सिंह, यमुना नगर, हरियाणा
शरद छिब्बर, चंडीगढ़
रमेश गुप्ता, उधमपुर, जम्मू-कश्मीर
गुरुवचन सिंह, शिमला, हिमाचल प्रदेश
सतीश सिंह, गुवाहाटी, असम
डॉ. आलोक सिंह, शिलांग, मेघालय
शुभ्रांशु दाम, धर्मनगर, त्रिपुरा
तुंबन रीबा 'लीली', ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश
हुरुई जेलियांग, दीमापुर, नागालैंड
डॉ. ललमुआनओमा साइलो, आईजोल, मिजोरम
किरन कुमार, इंफाल, मणिपुर
डॉ. टी.बी. छेत्री, गंगटोक, सिक्किम
वेद प्रकाश पाण्डेय, बेंगलुरु, कर्नाटक
ईश्वर करुण, चेन्नई, तमिलनाडु
जी. गौरीशंकर, हैदराबाद, तेलंगाना
उमा महेश्वर रेड्डी, विजयवाड़ा, आंध्रप्रदेश
श्रीकांत कण्णन, पुडुचेरी
अरुण लक्ष्मण, तिरुवन्तपुरम, केरल
सुमन कुमार, अहमदाबाद, गुजरात
किशोर आपटे, मुंबई, महाराष्ट्र
विनायक भिषे, सतारा, महाराष्ट्र
विनोद कुशवाहा, भोपाल, म.प्र.
सियानंद मंडल, पटना, बिहार
गौतम चौधरी, राँची, झारखंड
अशोक नंदी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
राजेन्द्रपाल शर्मा, पोर्टब्लेयर, अंडमान निकोबार

नेशनल सोशल मीडिया हेड

हेमन्त उपाध्याय, जयपुर

नेशनल मार्केटिंग हेड

धीरेन बरोट, अहमदाबाद

जिला ब्यूरो चीफ

अविनाश पाठक, नागपुर, महाराष्ट्र
अनमोल जैन, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
सुनीता गोस्वामी, मथुरा, उत्तर प्रदेश
डॉ. डी.के. अस्थाना, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
संजय सक्सेना, कानपुर, उत्तर प्रदेश
सोनम जैन, दिल्ली

नोट : देश के कोने-कोने में आप अपने समाचार पत्र हॉकर के माध्यम से घर बैठे 'चाणक्य वार्ता' पत्रिका मँगा सकते हैं। यदि आपको पत्रिका मिलने में कठिनाई होती है, तो आप 'चाणक्य वार्ता' के मुख्य प्रसार कार्यालय, नई दिल्ली में 08586858185 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा *chanakyavarta@gmail.com* पर ई-मेल भी कर सकते हैं।

प्रसार प्रबंधक

© सर्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशित सामग्री के उपयोग के लिए लेखक, प्रकाशक की अनुमति आवश्यक है। प्रकाशित रचनाओं के विचार से 'चाणक्य वार्ता' पत्रिका का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अंतर्गत विचारणीय रहेंगे।

इंटरनेशनल दिव्य परिवार सोसाइटी, नई दिल्ली का पाक्षिक प्रकाशन

चाणक्य वार्ता मीडिया प्रा.लि. का उपक्रम

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अमित जैन के लिए विकास कम्प्यूटर एंड प्रिंटर्स, ट्रोनिका सिटी, लोनी, गाजियाबाद से मुद्रित एवं ए-28, मनसाराम पार्क, नई दिल्ली से प्रकाशित।

सम्पादक : **अमित जैन।**

वेबसाइट : www.chanakyavarta.com

सम्पादक के नाम पत्र

आप सभी पाठकगण पत्रिका में प्रकाशित लेखों पर अपने विचार या कोई सुझाव हमें हमारी ई-मेल आईडी response50123@gmail.com पर भेज सकते हैं। स्थान की उपलब्धता के अनुसार हम आपके विचारों को शामिल करने का प्रयास करेंगे।
—सम्पादक 'चाणक्य वार्ता'

चाणक्य वार्ता के 1 अगस्त 2024 के अंक में संपादक डॉ. अमित जैन ने अपने संपादकीय में दो विषयों को प्रमुखता से उठाया है। उसमें पहला विषय है आपातकाल। मेरा मानना है कि आपातकाल में लिए गये सभी निर्णयों को पूर्णतः रद्द कर देना चाहिए। क्योंकि अधिकांश विपक्षी दल भी आपातकाल को सही नहीं मानते। कुछ विपक्षी दलों के नेता स्वयं आपातकाल में जेल के अंदर रहे हैं। इसी प्रकार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों में सरकारी कर्मचारियों के भाग लेने पर प्रतिबंध का निर्णय भी ग़लत था। एक ओर स्वयं स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने 26 जनवरी 1963 की परेड में संघ के स्वयंसेवकों को आमंत्रित किया था तो वहीं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री भी संघ की राष्ट्रभक्ति के प्रति श्रद्धा भाव रखते थे। इसके बाद भी इस संगठन पर इस प्रकार का प्रतिबंध लगाने के पीछे किसकी व्यक्तिगत साजिश थी, इस पर शोध की आवश्यकता है। खैर अब मोदी सरकार ने इस पुरानी विसंगति को दूर करके अच्छा कार्य किया है।

हेमंत मेवाणी
सूरत, गुजरात

चाणक्य वार्ता में आमोस छेत्री का नेपाल में राजशाही और हिन्दू राष्ट्र की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन पर लेख पढ़ा। वास्तव में जब से नेपाल में राजशाही समाप्त हुई है, तब से नेपाल में कोई भी स्थिर सरकार नहीं रही है। इससे ही स्पष्ट हो जाता है कि वहाँ के लोग इस लोकतांत्रिक व्यवस्था को नकार चुके हैं। इसी से यह समझ लेना चाहिए कि वहां राजशाही ही अच्छा विकल्प हो सकता है। लेखक ने नेपाल में मतांतरण को लेकर जो बात लिखी है, वह चिंता में डालने वाली है। दरअसल वहां पाकिस्तान और चीन के प्रभाव वाले नेताओं की संख्या अधिक बढ़ गई है। इसलिए वो कभी नहीं चाहेंगे कि इस देश में राजशाही आये और नेपाल फिर से हिन्दू राष्ट्र कहलाये। इसलिए मुझे यह टकराव और अधिक बढ़ता हुआ लग रहा है।

कमलेश मीणा
जोधपुर, राजस्थान

चाणक्य वार्ता के अगस्त अंक में तीन केंद्रीय मंत्रियों के अरुणाचल प्रदेश दौरे पर अरुण ज्योति बोरा की रिपोर्ट पढ़ी। मोदी सरकार आने के बाद से ही उसने पूर्वोत्तर पर विशेष ध्यान देना शुरू कर दिया था। मैं इन तीन केंद्रीय मंत्रियों के दौरे को भी इसी रूप में देखता हूं। हां, तीन केंद्रीय मंत्रियों के दौरे लगभग एक साथ अरुणाचल प्रदेश में होना, थोड़ा विशेष अवश्य लगता है। इसमें भी किरेन रिजीजू तो अरुणाचल प्रदेश से सांसद होने के नाते आते ही रहते हैं। लेकिन संभवतः ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल का मंत्री बनने के बाद यह पहला दौरा होगा। उम्मीद है कि इन दौरों से अरुणाचल प्रदेश सहित पूरे पूर्वोत्तर के विकास में और गति आयेंगी।

एस. शांताकुमार
चेन्नई, तमिलनाडु

चाणक्य वार्ता के अगस्त अंक में बनवारी लाल पुरोहित पर आर.पी तोमर का लेख पढ़ा। इस लेख का अधिकांश भाग श्री पुरोहित के द्वारा पंजाब के राज्यपाल के रूप में किए गये कार्यों पर केंद्रित है। लेखक ने पंजाब की जो स्थिति बताई है, वो अत्यंत भयावह है। बनवारी लाल पुरोहित जी द्वारा पंजाब को नशा मुक्त करने की कार्ययोजना को अगर राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान जारी रखेंगे तो अवश्य ही इसका लाभ युवा वर्ग को होगा और पंजाब देश के नक्शे में प्रथम स्थान पर आएगा।

के. रामकृष्णन
मेंग्लुरु, कर्नाटक

चाणक्य वार्ता के 1 अगस्त 2024 के अंक में हरियाणा की नायब सरकार के द्वारा रोजगार सृजन के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों पर विशाल शर्मा का लेख पढ़ा। मेरा मानना है कि यह लेख हरियाणा में हो रहे कुछ विकास कार्यों का एक संक्षिप्त विवरण है। जिसे लेखक ने श्री सैनी के वक्तव्यों आदि के माध्यम से हम पाठकों के समक्ष रखा है। इस लेख के माध्यम से मुझे जानकारी मिली कि हरियाणा सरकार प्रदेश के गांवों पर विशेष रूप से ध्यान दे रही है। इस राज्य के विकास में गांवों का महत्वपूर्ण योगदान है। इसलिए उनकी चिंता करना अच्छी बात है। इसी अंक में पत्रिका के आचार्य विद्यासागर महाराज विशेषांक के संदर्भ में सतीश बब्बा की समीक्षा पढ़ी। उन्होंने आचार्य श्री और विशेषांक के बारे में जितनी भी बातें लिखीं, मैं उन सभी से सहमत हूं। यह विशेषांक एक पत्रिका नहीं ऐतिहासिक दस्तावेज है, जो भविष्य में भी हर किसी के काम आयेगा।

सुमन सिंह
अमृतसर, पंजाब

चाणक्य वार्ता के 1 अगस्त के अंक में हाथरस भगदड़ की घटना पर डॉ. भरत कुमार का लेख पढ़ा। लेखक ने आशंका व्यक्त की है कि उत्तर प्रदेश में होने वाले उपचुनावों को ध्यान में रखते हुए कोई भी राजनीतिक दल या नेता उस बाबा की गिरफ्तारी की मांग नहीं कर रहा, जिसके आयोजन में यह भगदड़ हुई थी। मुझे लगता है कि यह बात सिर्फ उपचुनाव तक ही सीमित नहीं है। बाबा दलित समाज से आता है और कोई भी बाबा के विरुद्ध बोलकर इस समाज को नाराज नहीं करना चाहता। यद्यपि मायावती ने जरुर बाबा पर भी कार्रवाई की मांग की थी। क्योंकि वो अपने से अधिक प्रभावशाली किसी भी दलित को देखना नहीं चाहती। यह अलग बात है कि उनकी अपनी पार्टी का ही प्रभाव अब बहुत कम रह गया है।

अजय नागर
जयपुर, राजस्थान

चाणक्य वार्ता में आंध्र प्रदेश पर ईश्वर करुण का लेख पढ़ा। मुझे अभी तक यही लगता था कि भाजपा के सहयोगी जेडीयू के द्वारा ही बिहार के लिए विशेष राज्य के दर्जे की मांग की जाती है। लेकिन लेख से जानकारी मिली कि चंद्रबाबू नायडू भी ऐसे ही विचार रखते हैं। हालांकि मुझे लगता है कि बजट में सबसे अधिक आंध्र प्रदेश के लिए धनराशि आवंटन कर मोदी सरकार ने फिलहाल तो चंद्रबाबू को शांत कर दिया है। लेकिन यदि बिहार के लिए विशेष राज्य की मांग ने भविष्य में तेजी पकड़ी तो नायडू भी अपनी मांग दोहरा सकते हैं। आखिर इस बार गठबंधन की सरकार जो है।

खेमचंद मिश्रा
गोरखपुर, उत्तर प्रदेश